

DPN 6196

Title : चचाये # CACA ME

Run. No. 6887

Cat. No.

Micro. No.

Subject चचाये / Cacha Song

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 19.5 x 8

Folios 36

Lines ( in a page ) 5

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Fifty one songs extant

Author / translator

Scribe / donor

स.पे. दु. यचा # 57

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyaṣaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

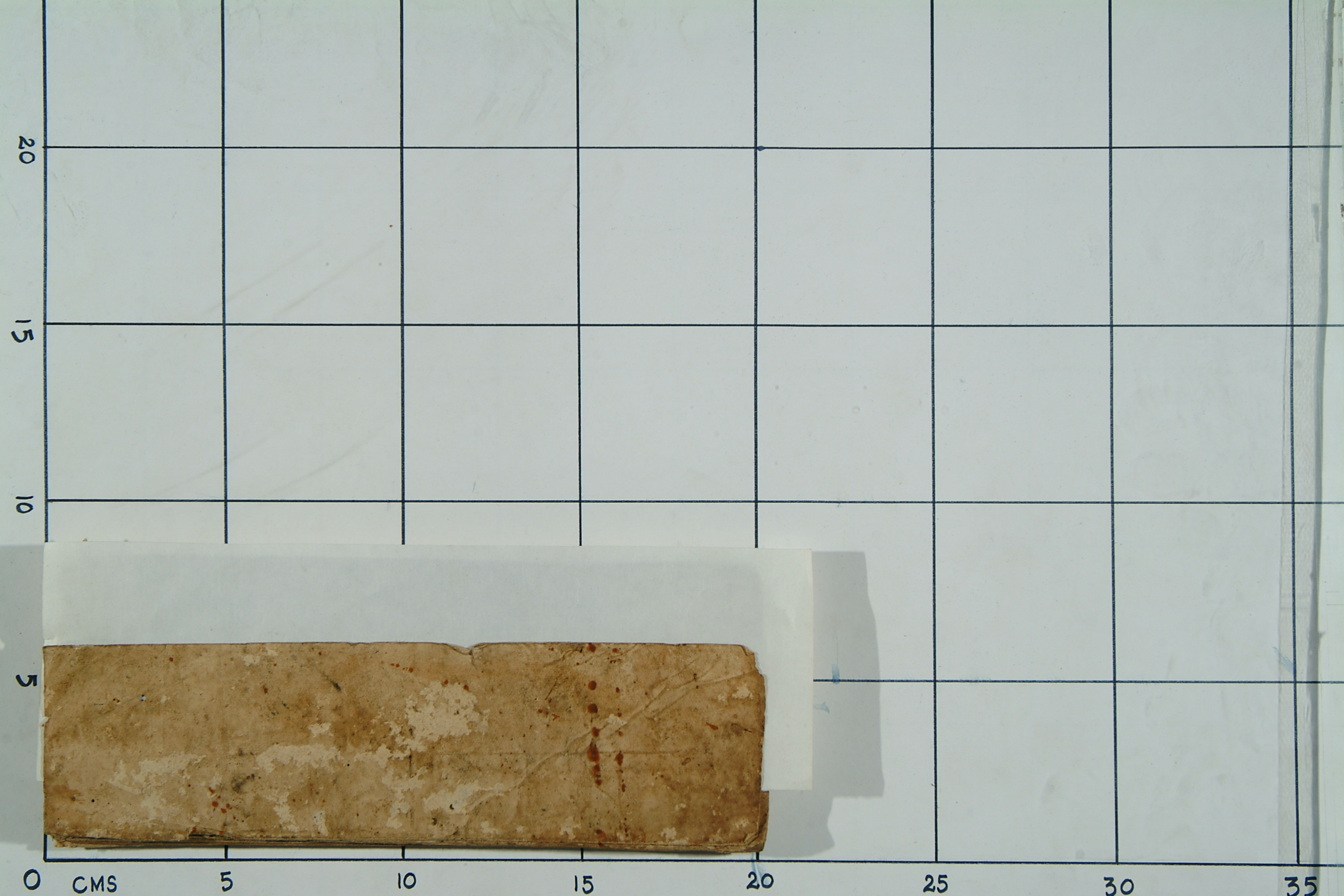
P. T. O.



११  
अमोघ वज्र, सुरा<sup>११</sup> वज्र, वाक वज्र, वज्राचार्य कण्ठदत्त आचार्य (राजाधीन श्रीनरेन्द्रमल्लदेव  
शासन कालमात्र) पिसि चिनातः॥ चर्मा मे न इ।  
मेयु ४०

Carya songs composed by Amogh vajra, Surat vajra, vakra vajra,  
vandhu datta vajravarya of the king Narendramalla's time







मन्त्रमन्त्रमहामहोक्तं कर्मणि पूर्वदिदहजं मुदिपं २  
 अपवग्दयनिडकवकुवृवने पञ्चवर्ष पञ्चजिने यापि  
 यात्रम् ॥ १ ॥ नमो वरुणविष्णु श्रीगुरु विष्णुहित।  
 विष्णुपुत्रं मन्त्रं २ अथ नदीपाननावहनिजिनमान  
 उक्तमिमिलघनघोषं ॥ १ ॥ जातवसानसया  
 देवताउपदिपं यात्रम् २ अथ सनलाउप वउपदि

उविदिगं कुवन उमउपदिप श्री इवपुपयम् ॥ दिलद  
 औचियानववृधिवयावियसफु अस्मादन चं वियाल  
 अवननाउदिदियसायवचक्रा मासिकूलवनिधिनिधिले  
 ददयनि ॥ १ ॥ अथ वनसागुववसा गुगमिप तावनाम  
 निरुक्तमउदकं पत्रिस रुमिपुजा २ पुनवपत्रिहोवसपुप  
 विपुजि रुवजलनिसननस रुहणं ॥ १ ॥ नागग











सायनसद्वी २० सूर्य दे अरु उपहन की वध  
 ॥ ॐ ॥ दुष्ट दवी रात्रि प्रहमास कि दवी २०  
 गगन प्रमादि नमय स्वाग्य ॥ ॐ ॥ जाममवेद पु  
 वीतव वाधिः आगधर्मदिहा पुनूप ५०  
 पञ्चवद्वस्व नृपक भुक् २ सया ल युगि  
 शि माश्वेदु नृवतु ॥ ॐ ॥ सत पुनृव नृसि ही सि

जगत धनि यो लनयिवा क वर स वा स नृपि  
 ॥ ॐ ॥ ओ आ हं फर अनंत न स्वा हा म नो  
 उचा वन न २ पुजा पुज्य क पुजो भो ॐ त त्व स्वरूप वली भाव  
 ॥ ॐ ॥ एव त्व ला हि २ वली पुजन घ घ द्या यं २ वि द्यु ह न र्प चा  
 मि या न स पंच सा शि न पंच शानि सब नीणा ॥ सर्व य क्ष मा ध स भु त प्र  
 त न पि सा ॐ मा नार पस्मा नो २ रा क द की नी दुई अष्ट ह म सो न र्द  
 दं वली गृ ह्नु नो ॥ ॥ दान पंती सर्व कार्य त त्व या स न सुख संप

ओं आ हं फर  
 अनंत न स्वा  
 हा म नो

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

35



तिसतनै २ यठै वतथेव भुजठै विवठै जीवर्थ सातूक मठन ॥ स  
सपानक्षय तु छानपतीनै सबसिद्धि संपद शा-तन २ आसं ज्ञान तथाग  
तवचनै सब शिद्धि सपद वृद्धि नै ॥







१८३३

गृह्मादियकबुद्धिसत्त्वमहं॥ ४ ॥ ॥श्वागच्छंगायगावमि  
॥ गणीवकवविहाहिमंशुलमास्य थीतिआनंदमृतिधवाश्वजवावादि  
आलिंगनसम्भव नानावस्मिमहाहाला॥ ५ ॥ गतेनाहं हंतेनाहं हंतेना  
नानतहं हंतेना॥ ६ ॥ नीलवर्णवकुवकयतिमृश्वगिनय यवमानः  
दमृतिधवाश्वविश्ववज्रवर्द्धवद्वज्रमकटधवा हाउआतवनमरुहा

तिता॥ २ ॥ वज्रघृगजवस्मिन्मन्त्रवर्द्धांगध्वज विलमानंदमन्त्रतिध  
वाश्कवटिकयालयवशुयाहविहववुक्तसिलंधवा व्याधुवस्मिकलि  
वस्तिता॥ ३ ॥ दिगंविदिगंकाकास्यादिहमन्त्रकिनिदवी सहजानं  
दमन्त्रतिधवाश्ममामिश्वाचकसंस्वर सतमुव्ववनआवाधिता॥ ४ ॥  
॥ ॥ रागः अहंति॥ ॥ दाउजातवन कीयायिलसम्बर धवयिवावि



वतसाशुक्तवालंभन मंथियाम्भान मकुटकहादीगम्बना॥ ध्र ॥  
 ववयभायडा समववाया समवशुदविमात्रकालाश्वंङ्गवांवादि॥ ॥  
 रुमविवादिनिवडवावादि रुमदियाभावावा॥ १ ॥ ॥ ॥  
 तायनडावंगुदमयन कय्यवतवयिताम्बालाशगगननीलावर्क वं  
 धिलकाश भवमशुलतवविष्णा॥ २ ॥ गिर्यंघडयाडुं टादिगल

समव ययिसयिषुन्यतडावाश्रुमविवादिनि वडवावादिशुक्तवि  
 नुदवमीअंधावा॥ ३ ॥ गमडांनिलीलावड कलियाडल सतगुव  
 वनअवाध २ समयाआनंद रुलिगलमशुल समववडवावादी  
 ॥ ४ ॥ ॥ ॥ शगःकर्कदि॥ ॥ विहंजवाययियागिमी दहकवालि  
 शकमलकुलीनघणु कवहनवीरोदा॥ ध्र ॥ यागिधियुक्तविनय

२ विहंज ॥ २ ॥



20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

35

८३ दिना ॥ २ ॥

नरुनजीवयिश्तावासुर्ववियाल कमलसंघीवयि॥ १ ॥ क्रयहं  
 यागिनित्रयनजायिश्मनिकलवहियाल उँठियालसमान॥ २ ॥  
 सासुहचनधावकं वियतावाश्चंदसूर्यइयि यकनतगा॥ ३ ॥  
 तनयिगाजविदक्त कंडवीगश्नयनाविमाथ उहयनउवीवा  
 ॥ ४ ॥ ॥श्वागःवितासा॥ ॥उदितातयिया यवनइतावाश्वा

पंगुहदामककासुनललिता॥ ५ ॥ यावइष्टावतवगिनिमंत  
 विताश्वाययनिबंरुन माकनविता॥ १ ॥ दिनकवमगुल मख  
 गताश्कवममंतवसुवलंरुता॥ २ ॥ दग्धमालिगवयनिनिहं  
 ताश्देवासवनवहीलंगताशं॥ ३ ॥ गाहंतिववनयतिगुवतदावा  
 श्वरुवावादि उँरुसिलंनमिता॥ ४ ॥ ॥श्वागःकाभाकवा॥ ५



अवनिनिदिता ११० ॥

अवनिनिदिता न नीलसमदहाशककविनयनिगीषमवदना ॥ १ ॥  
तनाहं हं शतनाहं हं शतनाहं हं शतनाहं हं शतनाहं हं शतनाहं हं  
रुमतिमंगश्याहारप्रध्वविगियुवननाथं ॥ २ ॥ रुमिहववंका  
वउमाला २ मालविप्रइतिहासयहवनां ॥ ३ ॥ विविधितरुमालि  
लंदनदहाशकगदं विवाहिनवलरुलदायकं ॥

अवनिनिदिता म १११ ॥

॥ ४ ॥ ॥ श्यागः काभाउवा ॥ अवनिनिदिता म १११ ॥  
किरुमालमंगसा २ वागद्वयमाहं धिलया ६ विगुवनवाया अ  
लविवा ॥ ५ ॥ नमामिधीवगुमदाशय ६ डागसुफतय ६ दिता २ वि  
धनाथविध्वयायितवीलविकुम-महाकादवाया ॥ १ ॥ अतिरिचना  
गाउर्ध्वयवदा ६ दहाकलाया विगुतिकिरुमा २ यिंतिता अधवाककलन



20

15

10

5

0

सकलज्ञानगुण ॥ १२ ॥

यना वैविसंज्ञसावायहृषवध्ना ॥ २ ॥ माधवमायायुर्वंशवर्षका ॥  
 गौडयिष्ठावादिद्यादतवभा ॥ समसमायावागविभाहा ग्यानवायासः  
 भाहितदहा ॥ ३ ॥ बलातवनादलितमोलि कयूलनोयूलवर्षम  
 नंकावा ॥ सवनवनागादिवंदितववभा वायसवध्ववमवलवीना ॥ ४  
 ॥ ॥ शवागः नाट ॥ सकलज्ञानगुणसंवववीना ॥ अन्यमकनुनकः

११८ ॥

कञ्जान ॥ १३ ॥

वतिरुखविका ॥ ५ ॥ संववश्कवमयितायं ॥ विविधिविज्ञनासनत्र  
 याहं ॥ १ ॥ दविवावाहिउक्तमंशितदहा ॥ तवतयदहनविमाव  
 विरहायं ॥ २ ॥ सकलविज्ञदंनिमतिवतित्रया ॥ वतियतिसुगनिवा  
 सनत्रया ॥ ३ ॥ तावअतावहगदंनिमतित्रया ॥ अन्यमशुखवसमः  
 नशुखविका ॥ ४ ॥ ॥ शवागः नाट ॥ कञ्जानत्रयलाकध्ववकञ्ज

CMS

5

10

15

20

25

30

35



नयवद्वयस्वयनिर्जनसयावविशुद्धि॥ ५॥ नावयिमावधुवका  
नकमानेस्वयंगुमयुगीवनवहिलमाला॥ १॥ अकलस्यनिर्  
जनमकलविदनाश्चनुरुवधवसयावविशुद्धि॥ २॥ केदुवाल  
रुवजकेदुवालविदनाश्चवधविकाङ्गगतिमदमुनडा॥ ३॥  
रुवरुवरुवरुमलशुभंदाश्चिनियवननाथनकुसमवलाया॥५

॥ ४॥ ॥शागःकामाशुवा॥ ॥द्विजसंगवस्वसमदेहा नववस  
दागिसंगवस्वधराश्चादहाउजावदवदना द्वादहावकुचवकान्तं  
॥ ५॥ नमामिगीगीवकस्वव मावरायरावरायहनर्मा॥ १॥ वरु  
वविंशगियीरुवस्वयि द्वागिसंविबवीवस्ववीश्चउवकयदक्रिष्ण  
दविसंयुतयकालिनस्त्रिणा॥ २॥ यद्वांसंयुतआलिकालि यदाः

॥द्विजसंगव॥१४॥



२ वकी कुल ॥ १५ ॥

काकाभूमिसंदराश्वादेवदेवीनकावा नमामिणीचक्रसंवववाया  
॥ ३ ॥ सतगुवचरनसिलेक्षर्य तनयिगीतगीवजकुलिष्ठा  
दानयतिलमनारुर्ध्व सयमगुलआवाधिना ॥ ४ ॥ ॥ ॥  
श्वागःगुणी ॥ ॥ वकीकुलकंधिलाचकभखलरुषित जीव  
चडनलभिलमाला ॥ भिलवकीचकीलयियातस्मविहृषित गगव

कताविवंधविवाया ॥ ५ ॥ ॥ वसुसणीदेवजादेमात्रकाला इगधना  
थताविवंधविलाया ॥ ६ ॥ ॥ वजकवाठकहारथधविया कंरथकी  
याउखद्वारगश्मयूटयागिनिकमलविहाष्टुंगव महाभूखभ  
वियुष्मदे ॥ ७ ॥ ॥ वजवावादिआलिंगमसंवव नावयिवरुवि  
हलतंगश्वाष्टुलिलंयिकालिलयियाकीउंतिहृष्टा अर्द्धरु



20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

35

अंगसिद्ध ॥ १८ ॥

वस्तुबनयभादश ३ ॥ सहस्रसकलिययाकीर्णार्णविक  
रूपा श्रीहनुडाववनमयभादशयस्तुआलिङ्गनकीर्णनिरुद्ध  
विवासयिषुन्यकवन्ता ॥ ४ ॥ ॥ स्वागः वसंता ॥ ॥ अंगसिद्ध  
भुमडति दहयतास्वराशिविविधित्तमालिमकटविशुषिता ॥ ५  
॥ नावयिल्लीअवलविवाशतेनावडआनंदविवासयिअवला

अखयनिर्जन ॥ १९ ॥

॥ १ ॥ आमडरुवविंवमुडादहनाशयस्तुआलिङ्गनअद्वयम  
हावसा ॥ २ ॥ मालवडवमंदर्यनिखिलविष्वहंताशनस्य  
निरुतखजगर्जनियाहा ॥ ३ ॥ विवागचंडइतिरवरयंकवा  
यविषमिशगगंधगगनविवासयिअवला ॥ ४ ॥ ॥ नागः  
निवदा ॥ अखयनिर्जन अद्वयअनयन गगनकमलरुसाधनाश्वन्य



नाविनासित वायवीवियांदवी यागविंशमकाशिता ॥ ५ ॥ अनमामिनिला  
 लं व निलकृपरागाव रुत रुचमंयायिता २४ वंदवंदसम गेयका  
 सित रुलं रुवंद समययायिता ॥ १ ॥ अंगरागावलसाधिलवकुंधा  
 वरुि भवमंउलरावविनाशनिर्मलरुदया वकुंधापिगा अहिनिशि  
 कवलसाधना ॥ २ ॥ आनंदययमानंद विलमासहकाचयुगानंरुसीत

वाश्यवमाविलमास्य नद्यादिलमहासख सुगतसंपदवलयायिता ॥ ३ ॥  
 ॥ ३ ॥ रुवकु कालवकु वीवकु सन्वव अनंतकाटिसिधायारंगमिश  
 वीहगतोशियान यर्गुगिबिकालंधव पुरुमहासखरानंद ॥ ४ ॥ ॥  
 रवागःतेवि ॥ गजुजिनरुईलहाथवधियाकमलकुलिषाअर्द्धवाविशु  
 मवकुवटिकुथावगिधूना वामखदांगकयालमधवा ॥ ५ ॥ श्रीसन्ववलाया

२ गजुजिन ॥ १२ ॥



उवाह लिउकङ्गांगुलीना १ मालयिलवाययियाललमाया सासुहगवुमः  
 कालधिन ॥ १ ॥ याधवकामगुवाम महाथयधियाउनवमीलमाला  
 नीलहविनलोहितकनकारववडमृद्वज्जिविकलालजधवा ॥ २ ॥  
 लिहयथातयिववाययियाल कालिरागिविम्बुमृदा १ विश्वकलिधमर्द्ध  
 वंदाक वाधुवमीयुमृदा ॥ ३ ॥ दृशीसंविनवीरध्वननायक जिति

यकमहाविनविवा १ कवृधृगाववीरवीरध्वनयुंङ्गयिसयलसंसायजधवा  
 ॥ ४ ॥ ॥ श्यागठकर्द्धि ॥ ॥ श्रीमईनाथवाल महाविनविजया  
 वंदहासखजधवि नागवासदस्थवा ॥ ॥ नमामिश्रीमंशकमान  
 कगदिध्वनजगतगुन्युवनवायिता ॥ १ ॥ यूसुकधवशुत यवम  
 गुवनाया १ धीधमीधारुहान नयालमगुललेकना ॥ २ ॥ रुग

श्रीमईनाथ ॥ १२ ॥



विषय ॥ २० ॥

तनाथरुगत. निबंजनदरु २ सर्वलामु विष्णुवधय यशुतनिबंज  
ना ॥ ३ ॥ ॥ २ बागः ललिता ॥ विषयविषयिन्यवनसंज्ञा  
कालयिवंदा निनातिकमल २ दहयिजिन विवहादि मलयिसर  
मवजु यिनिगातयसमयस्यामसयल ॥ ४ ॥ नम्यमंरुयाय  
कालवर्क रुवकसमवविधवयं २ यथिषडमसंज्ञारय. संतव

वज्र कानिनि ॥ २१ ॥

वृद्धधर्मसंघ सवनागमियं शुभवननमिलंधविया. गाडोतिस्वतवज  
कन्मकन्ममीववृद्धसवनंश ॥ ४ ॥ ॥ २ बागः मालसा ॥ वज्रयागिनि  
रुवुडालाया २ यिउवननाथ. दहिमयाला ॥ ५ ॥ यिवयिलमहावसमहास  
खरुवीया २ वज्रदविहलयि. अनरुवसना ॥ ६ ॥ उड्वनाविगिहल कमल  
सयागा २ दहिविवासयितनसंरुदिना ॥ ७ ॥ उड्विलयं वमहासखसमा २



विश्यं वदितुं सवीरुवावृत्तिः ॥ ३ ॥ सतगुण्यसाद वदुर्थमिधक श्याखः  
 ह्यवीसंसावसमडा ॥ ४ ॥ ॥ रागः ४ ॥ ॥ कंकावसंसावः ॥  
 उनीलसमयुतिदहा श्याकलकलनसमयुतिहालांकलसमाकला ॥  
 ५ ॥ ॥ ऊयं ऊचलमनगमवृत्तिः त्वमयाहाकवधाविश्रुगनवांष्टिर्न  
 कानाधुगनयाविनः महाकादवाया ॥ १ ॥ ॥ अवनिनिहितवामजान्

१ कंकावसंसावः ॥ २ ॥

धाववदनगिलावनाशककवान्नसतवतयंकनः निधिलविघ्नहंता ॥  
 २ ॥ ॥ वक्रहविह्वमयमायादर्थनसविवाशदंष्ट्रानियिजित धनः  
 यकिन्नविघ्नहंता ॥ ३ ॥ ॥ विविधिवत्तमागवन्नरूपितः दिव्यवत्तसमा  
 लिश्रुगनवांष्टिः सर्वसंयतिः सिधिवलरुलदायकः ॥ ४ ॥ ॥  
 रागः शुंजलि ॥ ॥ उर्वगावधवाविनः तनुस्वरा १ ॥ ॥ उनीलशुतिर्धि

२ उर्वगावधवाविनः ॥

20

15

10

5

0 CMS 5 10 15 20 25 30 35



२३॥

गलकक्षा॥ ॐ ॥ इगननकं दयाः गूढदवी २३३ मालविघ्ननामनीदवी  
॥ १ ॥ चकनयनविनिर्दमाला ॥ खभकनठिकया लनीलापना ॥ २ ॥  
२ ॥ व्याघ्रवर्मावसु ॥ यणाविद्याश्वर्वलभादवसर्वाकाका ॥ ३ ॥  
वचनवचनशीउर्जितावविमाता ॥ गनयिअमायवजमीमवविना ॥ ४ ॥  
॥ ॥ श्वागश्वामकलि ॥ ॥ दिनवचनयनि ॥ सुवनशीकायातव ॥ नि



संयुक्तं रंगमालां गनानन्दनयशः ॥ २ ॥ वाययिसंम  
गसयनप्रियमयनं रंगविनागद्वयिमाभनिषर्ग ॥ ३ ॥  
अङ्ककलिसंस्थागविमूखना रसननयमुखनद्वदाङ्गलि  
गना ॥ ४ ॥ दहदिहयुवनशीयागमनलयन रयनमाभि  
हानस्वनीयमालिगता ॥ ५ ॥ ॥ रंगमाला ॥ व

॥ ३३ ॥

जीघाणिनीः चोत्री चण्डाणिनी २ सिंधिनी वांघिनी ऊर्मुक डला  
 किनी ॥ ५ ॥ नमामि यागास्वनः स्नानस्वरीया २ जिनिन रुंदवी  
 निरुवनययिमा ॥ २ ॥ पूर्व डलूनयश्चिमः दक्खिनदिगं द  
 वी २ शाकिनी द्वीघिनी ऊर्मुक सिक्कांजीनी ॥ ३ ॥ चण्डनदि  
 गगुक्क स्नान रुंदवी २ जिनिन रुंदवीना चयिवाला ॥ ४ ॥



दुनिहनुवृक्षाः० नमस्तनगमने रघोदस्योगिनी समप्रसक्त  
मात्रा ॥ ज ॥ ५६२ ॥ एनागयचरमा ॥ ॥ ऊर्ध्वदाक्षलिहनु  
अद्यननी रस्यनस्त्वास्तनऊगकडछानली ॥ क्र ॥ मनेरुगव  
गियाइ कमलमहिमधुलमेखनगूनमूर्तकाना रहाउच्चमल  
आएननविहरमितभवनध्यष्टुडला ला विनी विनी विनयणि

दीनिनयना॥ १ ॥ कनहिषन्यनगीवमोदतनसिनना  
लाश्कुंखिवयखवांगवनसकृतकसा॥ २ ॥ भीनससिन्धु  
नस्कंडालसुलाश्कुमुनिकर्यूनगाम्वनसखसानी॥ ३ ॥  
रुनयिसूनतवकुवांछलिदासाश्गीवकुदवीयसादभीद  
नुआयाया॥ ४ ॥ ॐ ॥ रनागतादि॥ ॥ यक्क



वशिष्ठमवदना २३ ॥ कलिनायिरालकसाऽलमकरुसा  
 कनूनामय ॥ ३ ॥ कलिकयालाऽधनिनखेकांसाऽनाराल  
 यनागकृल्लहाना २ नागसिनसिद्धा नोयुननागाऽपूयना  
 मभारुननससाहिता ॥ ३ ॥ किनवपुमोयीधनिनसना  
 वृद्धसासनमानककवीना २ यनानूठातादवरावाऽसासाग

२ सर्वाङ्गना २३

कलिमाभूनूहनसनना ॥ ४ ॥ ॥ २ नागधनाथी ॥ ॥  
 सविकात्तामहासखकनिया चन्द्रसूर्य इयिमत्रियोऽचडआन  
 न्ददरुधनी २ गिरवनरुल्लयिया महासखलाया चन्द्रसूर्य इ  
 यिमत्रिया ॥ ५ ॥ नयाययनिता नयुननीना गिरवननक  
 खनूयि २ सर्वविकल्पविधमनीदवी भूनूहनस्तवनदा

20

15

10

5



यनी ॥ ॥ अमिगारुसथुलयन्धियालथितिकल्यानन  
 मिवददधानीरकलिकयालःखडांगधानीःयसुहानव  
 यदहा ॥ ॥ दिगम्बनमकृतकभास्वकीकथुलकणि  
 धानीरनाचकभस्वलयलयधानीःशीवयोदननसिलमा  
 ला ॥ ॥ सर्वतथागतजननिदवीःविनाहितलावाला

वज्रलावाश्चीवदुडागीनीवननसिलीगतगाअनिस्म  
 नसर्वका ॥ ॥ ॐ ॥ रानाविलास ॥ यनमजमाननचला  
 वनलावकश्चविगहनयादयादक ॥ मांसनसानितमृगनवि  
 रुचनवधुनमाहनसाचयविग ॥ ५ ॥ वाराखधनमाहनःॐशा  
 रनवयसून्यसमानदया ॥ लाशनलावकमिगनसर्गःनिष्ठर्गस

यनमनशाप ३१

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

35



हृदयविमोहि ॥ ॥ अथ सुयनीतुवन्धनिलाका २ तनतुतनतु  
 वन्धनमर्थ ॥ लाकाभाहतिनिवर्तिनः तत्त्वविवर्जितसिद्धिनलय्या ॥  
 ॥ तस्मात्तुगन्धनसदनय्या २ नमः स्वयनवर्जितविमोहि ॥ यनस  
 नधर्मनसयनविमोहि सुखसुखावनकलाकनन ॥ ॥ ६०३ ॥  
 रनागमालिनि ॥ ॥ मुनानिर्जनः यनमयः सुन्यसामायसह

उला २ रावयिरुवियसंदावदाः नानासिर्जयिहृदयाम् ॥ ॥ ॥  
 नउरुवनउनिर्वानादिः नृणां सावसासदासुखकायि २ जोराव  
 मनदिराडातः ॥ स्वयनमसंदावकर्तुः ॥ ॥ अथ नृणां मनुविव  
 र्जिताः नानाविन्दुनचिरु २ नृणां सावसासदासुखकायि २ जोराव  
 रु ॥ ॥ डिमयनविन्दुसंदावकाः तिमिरावयिः मनरावयि २ मुन्य

॥ मुनानिर्जन ३६



१०। मादादिना ३२

निन कृतयनमप्युः नासायिनया यड॥ ॥ डि मऊर्म साभवन्तु स  
हिः नस्वच्छनामिच्छति निस्तान्मुलचक्रजाः तनयसंदावस्वच्छ॥  
॥ ॐ ॥ २ ग म मा ल सि ॥ ॥ वा मा द हि न ज इ यि घ न नी र मा  
अ विला स यि म हा स ख क न यि या ॥ क्र ॥ अ ऊं क यि न जा ल यि या स  
रू ड ण्मा न्द र स य न वि ना स यि ज य नि रा व ॥ ॥ रा य न म य न

८ नमो भिन्न जिनाय नमो भामि

चिरुविनासयिया शकायवाकचिरुनकुकलिया ॥ ॥ नकंधव  
 यिभूहूनलयिया शभूवयिलयानगान्धधनी ॥ ॥ यावयि  
 नवनगुनूयाययसादशरनयिवाकवज्जुन्यसमाधि ॥ ॥ ॥  
 रनागनादभनमामिशकिनधर्मकागुस्वयंरुशिरुवनम  
 नूहूनधर्मकागुवागिस्वनी ॥ ५ ॥ नमामिशकिनयवशकि



नमो नमो विद्याधरी  
दिनमनिमय ४९

४०  
नमो नमो सुन्दरुमिन्द्रागिस्तनकनधना ॥ ॥ स्वर्गमय  
यातालखनधीकायातक २ चवडनिर्जनमहासुध  
ना ॥ ॥ धर्मधीमिन्द्रानधीमिन्द्र २ नयालमधुलमा  
मसुनासुनधि ॥ ॥ वामरुद्रयुष्कधनधना २ ददिन  
लखनधना ॥ ॥ श्रीलोकस्वनमधुलमहासुधला

या २ नाजाधियाऊधीननन्दमलदव ॥ ॥ श्रीवजाया  
यवन्धदरुणावाया २ रुनयिवाकवडसुनासुनधि ॥ ॥  
रनागरनावलि ॥ दिनमनिमधुल वंजाणा २ नकवर्धुनि  
नगदिगंवला ॥ ५ ॥ नमामिधीविद्याधरी २ सुनगम  
द्विमिद्विवलयदाता ॥ १ ॥ ददिनविन्दुन वरुसुर्वि



नाशविचित्रयथमालारुलत्वादीना ॥ २ ॥ मककंभ  
 नदिताकान्तिरगुक्तद्वीः ऊगतेऊननीः श्रीवृद्धाकिनी ॥  
 ३ ॥ यागिनीमहितासीनधिगाशगाधनिधुनतवकुस  
 गलगीता ॥ ४ ॥ ॐ ॥ नागनाट ॥ उदयागिनीगुग  
 नीसंकासाशकलिसकनाटकध्वनिद्वी ॥ ५ ॥ गुक्तद

२३ दयागिनि ४२

वीमादित्यविशाधनीद्वी ॥ १ ॥ त्वंद्वीरुगुखधुमुकय  
 ककुसु २ गुक्तद्वीविनासिनीवृद्धाकिनीद्वी ॥ २ ॥  
 मनुयागुनविमभीगिरुवनद्वी २ गुक्तद्वीविनासितवृद्ध  
 किनीद्वी ॥ ३ ॥ ओं कानवकुलकनरुलिया २ गुक्तद्वी  
 नविमभीधीविशाधनीद्वी ॥ ४ ॥ ॐ ॥ २ वं कानसंजा  
 ॥ नागमाला ॥

२ कुं कानसंजा ४३

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

35



20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

35

नमामि शिवाय ५४

नललितासनस्तु २ कनकवर्णकवकद्विगुणा ॥ धर ॥ नमा  
 मिऊनक्षीदवी श्रीवसंधावा २ नलमकूटभारुनगरुषिता ॥  
 १ ॥ वामसर्वर्द्धदधनमकालिया २ यस्यानमितायुष्क  
 निता ॥ २ ॥ नानावाधिनियुदानिदहननाशदिनस्थकन  
 लादिदहिममाता ॥ ३ ॥ आरुनागरुनवि ॥ नमामि २ जिनका

तुकनधुक्वगुनमूर्तिगालिगिता २ यक्कसनयकधगुस्व  
 नृयाः वृद्धधर्मगालयस्वना ॥ धर ॥ गताईई २ रुगतमनउडा  
 वियासनाहननभास्तु २ यक्कसिनस्वना ॥ १ ॥ नमामि २ श्रीग  
 न्तिपूनस्वना ॥ द्विसिद्धिवलयदायनि २ इतिरहनससर्वया  
 यक्यकनः दानयुस्थवद्रुमाक्यदाता ॥ २ ॥ नमामि २ धर्म



५५ निनीतिवृत्तानि

अगुवागिस्वनषादमइधमनयमिमलितारषादमनानधनूल  
 मूर्तकावाःसर्वदवयमिमलितार ॥ ३ ॥ नमामिश्वारीभवनम  
 लुलयद्मगिनीनिवासितारसत्त्वविभाहितःइखविनासनय  
 नमामिजिनवकुस्वना ॥ ४ ॥ ६०३ ॥ रगममालसि ॥ नमामि  
 रशीवकुयागिलीरतनूनिमद्युलमाभयजालिगदहो ॥ धर ॥

२ दि रुद्र विद्याधनी ४

नोमि श्रीवज्रयागिणी लाहि नवर्षः सा २ मूलरुनवाधियदायनी  
दवि ॥ १ ॥ गिरुवनयायित दहिनकवनिष्पानी शसहज्ञानन्द  
नूयेनीदवी ॥ २ ॥ कृष्टांगनमनाहनसमुलाश्वामवद्यनक  
तुखद्वांगधानी ॥ ३ ॥ ॐ ॥ रनागविलासा दिरुऊचकमय  
यक्रवन्धाशनगनसकटकसा निनिलोचना ॥ ४ ॥ नमादवी



वृद्धा के नीविभूजननी शिरावनवायितः क्षिप्रानययथी  
 ॥ १ ॥ दहिनकनवक्रविनासितदर्यातिरवासकनीटकवगु  
 मालयिवयी ॥ २ ॥ तनुलीमलुलमाभाः आदेशानसमने २  
 नलयेनवनसगतयवसिता ॥ ३ ॥ श्रीविश्वविद्वदी मुन  
 ननमहिता २ सकलशुद्धिसिद्धिदहिमसाता ॥ ४ ॥ ॐ ॥

त्यागकोसिकवसक्त ॥ मधुनियुगीयनाः इयनिकूलाना २ सक  
 लदवगनवन्दितायादी ॥ ५ ॥ मेरीणादिवृद्धा मरु २ कुमा  
 ला २ त्वंभुविवन्दितायन्नत्यम्बना ॥ १ ॥ कंकमनुविना  
 सनविनविषमा २ शुभागकिनाकननविहाना ॥ २ ॥  
 विश्वविशायितकनुविहाना २ विश्ववायितासर्वगुनसा

रमयात्रय २५



20

15

10

5

0

रक्षिणक ॥ ४८

यथा ॥ ३ ॥ भगवन् यन्मानन्दविन्दुमाश्रय २ गङ्गा नि  
तङ्गीतवृत्तकलिमा ॥ ४ ॥ ८४३ ॥ २ गङ्गा गङ्गा नमा  
लसी ॥ द्विष्टकसूत्रकवर्णिने २ मकुटकसादिग  
वना ॥ ५ ॥ ८४३ ॥ २ गङ्गा गङ्गा नमा १ ॥  
वासकनीटकदहिनकनटी २ हाण आरुवनससा रिता ॥

रक्षिणक ॥ ४८

२ ॥ ८४३ ॥ २ गङ्गा गङ्गा नमा १ ॥ ८४३ ॥ २ गङ्गा गङ्गा नमा १ ॥  
तन्वृष्ट्याश्रयलिङ्गनथा गङ्गा ॥ १ ॥ गङ्गा गङ्गा नमा १ ॥  
गङ्गा गङ्गा नमा १ ॥ ८४३ ॥ २ गङ्गा गङ्गा नमा १ ॥ ८४३ ॥ २ गङ्गा गङ्गा नमा १ ॥  
ववनवन्शकसमविलयनदहसर्वधनु ॥ २ ॥ गङ्गा  
विमकुटविस्मयगुलकदयि २ नमा १ ॥ गङ्गा गङ्गा नमा १ ॥

CMS

5

10

15

20

25

30

35



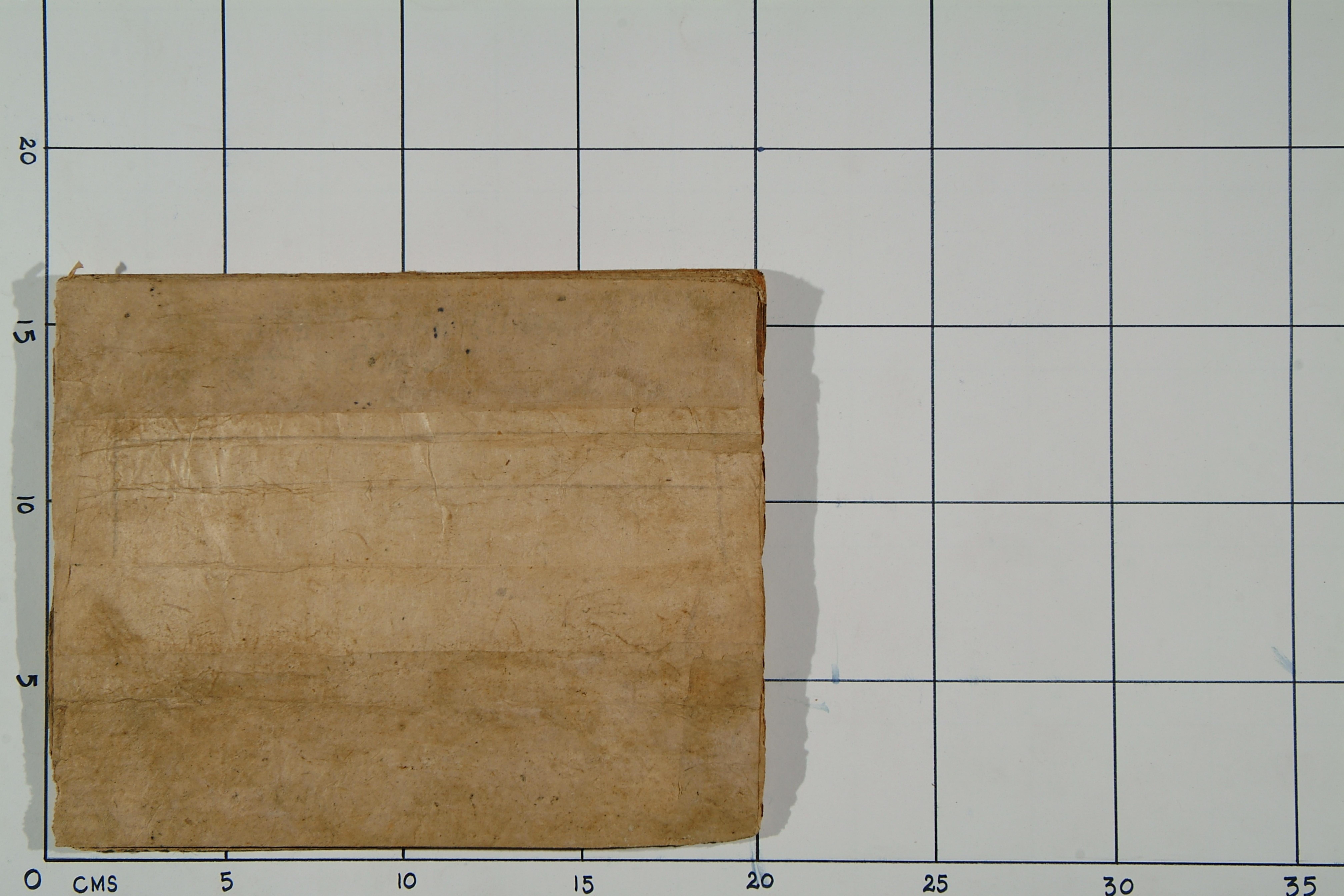
५८०

श्रुतुलकटयि ॥ १ ॥ १ ॥ नागतनावनि ॥ ॥  
 रुकावसंज्ञानमुकवर्धदहाशद्विरुक्तुकमुखनका  
 स्थगिननी ॥ ५ ॥ गतारुंरुंननारुंरुंरुं ॥ ९ ॥  
 वकि कूतुलकच्छिलीवकस्वरा २ लीवककेयुनवञ्ज  
 सिलसर्ग ॥ २ ॥ मेवलनोयुनयायनसनर्न २ वाघ

अष्टवलि ॥ ५१

नरुभवाद्यवर्मानिवासनी॥ ३ ॥ सर्वकत्रवजवा  
नादिवा मघलुं रुनवका लनाणी आलि टयदी॥ ४  
॥ नाराई दोला राधे ॥ ॥ ऊर्यं पी द्विरसम्बल नि  
रवन व्यापिता रमृद्धि सिद्धि सर्व महा मुखा सिद्धि ॥  
५ ॥ ॐ ॥ नारा गोदि ॥ ॥ अष्ट चत्वारिंश कथ





20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

35







